# बावा जी की आरती जय भानूं बावा

बावा जी की आरती

जय भानूं बावा, दाता जय भानूं बावा ।
सुन्दर भवन तुम्हारा, मन मेरे भावा ।। जय.

लद्धामल के दुलारे, अम्बा के बेटे ।
सन्त शिरोमणि भानूं, सुख सब को देते ।। जय.

मंगल मूर्त भानूं, मुख भोला भाला ।
माथे तिलक सुहावे, गल सोहवे माला ।। जय.

वर मुद्रा में बैठे, पीपल छव्या में ।
मोर सर्प संग प्रीति, प्रीति गय्या में ।। जय.

लाल ध्वजा लहिरावै, जग मग जोत जगे ।
फल मिशरी गुड़ मेवा, खिचड़ी भोग लगे ।। जय.

आरती दर्शन पूजा, विघ्न विकार हरे ।
रक्षा करे कच्चा धागा, रोग विभूति हरे ।। जय.

तेज प्रताप तुम्हारा, जाने जग सारा ।
हरदम हरपल गूंजे, तुमरा जयकारा ।। जय.

झुक गए तेरे आगे, शाह शहनशाह राजे ।
डंका मात भगत का, घर घर में बाजे ।। जय.

वंश महोत्रा के जन, सब सेवक तेरे ।
करें मुण्डन तेरे द्वारे, वर वधु लें फेरे ।। जय.

बावा जी की आरती, प्रेम से जो गावै ।
कहे 'मधुप' बावा से, फल वांछित पावै ।।

जय भानू बावा जय भानू बावा

**कवि** : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) (महोत्रा महाजन) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36928/title/jai-bhanu-bava-ji-ki-aarti

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |